ध्येय पथ
सितम्बर माह की गतिविधियाँ

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान –

1 सितम्बर 2017 को राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वाधान में 'समकालीन सन्दर्भ में राज्य की बदलती भूमिका' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर मुख्य अतिथि डॉ0 अमित कुमार सिंह जो वाणिज्य कर अधिकारी एवं राजनीति विषय के विद्वान है ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 कृष्ण कुमार पाठक तथा आभार ज्ञापन डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि समारोह –

4 सितम्बर 2017 को युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज जी की पहली पुण्यतिथि एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की तीसरी पुण्यतिथि सप्ताह समारोह के उद्घाटन समारोह पर महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुनील अम्बेडकर जी द्वारा ''भारत के सनातन संस्कृति में राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रो0 रामअचल सिंह जी द्वारा भी विचार प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्वागत संबोधन प्रो0 यूपी0 सिंह जी द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह जी द्वारा किया गया।

बी.एड. विभाग में नवागंतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह –

5 सितम्बर 2017 को सर्ववल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर बी.एड. विभाग द्वारा नवागंतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बी.एड. के छात्राध्यापिका सुश्री सुशीला रॉय तथा छात्राध्यापक श्री मनोज कुमार क्रमशः मिस फ्रेशर तथा मिस्टर फ्रेशर चुने गये। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस –

5 सितम्बर 2017 को सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस का आयोजन बी. एड. विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस –

8 सितम्बर 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ0 यशवंत राव ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

श्रद्धांजलि सभा–

9 सितम्बर 2017 को मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रीय सन्त ब्रह्मलीन मंहत अवेद्यनाथ जी महाराज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा में एम.डी.ए. खड़क वासला के पूर्व एसोसिएट प्रो. डॉ0 राजेन्द्र भारती ने पूज्य महाराज जी के विराट व्यक्तित्व और उनके सामाजिक परिप्रेक्ष्य पर विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ0 आरती सिंह तथा डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह ने भी अपना विचार प्रस्तुत किये।

ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि समारोहः

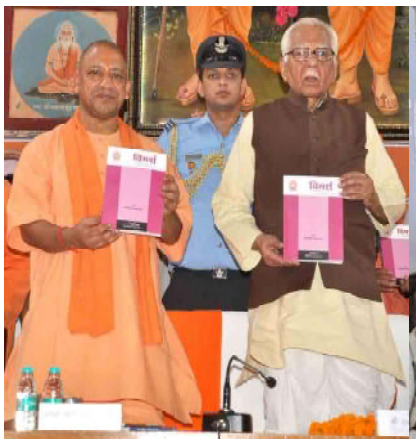

10 सितम्बर 2017 को ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ एवं मंहत अवेद्यनाथ के आठ दिवसीय पुण्यतिथि समारोह का भव्य समापन गोरखनाथ मंदिर में हुआ जिसमें महाविद्यालय ने भी अपना योगदान दिया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ जी के साथ बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल रामनाइक की उपस्थिति स्मरणीय रही इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की स्मरणीयका 'विमर्श' का विमोचन सभी अतिथियों द्वारा किया गया।

शतरंज प्रतियोगिता :–

11 सितम्बर 2017 को महंत दिग्विजयनाथ स्मृति शतरांज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ0 प्रकाश प्रियदर्शी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में आकाश चौबे (एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष) विजेता रहे तथा सोनू (बी.ए. प्रथम वर्ष) उपविजेता रहे। बालिका वर्ग में

राधिका (एम.ए. प्रथम वर्ष) विजेता तथा ,खुशबु कुमारी (बी.काम. प्रथम वर्ष) उपविजेता रही। खिलाड़ियो को पुरस्कृत प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

शिल्प प्रदर्शनी:–

12 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में बी.एड. विभाग द्वारा शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ0 विजय कुमार चौधरी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में सम्मिलित विद्यार्थियों का क्राप्ट मूल्यांकन डॉ0 प्रज्ञेश मिश्र तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान बी.एड. प्रथम वर्ष की श्रीमती प्रतिभा सिंह, द्वितीय स्थान जया गौतम, संजु सेन, अराधना द्विवेदी तथा तृतीय स्थान नैना यादव, प्रिया वर्मा एवं सांत्वना पुरस्कार पिंकी चौहान तथा प्रियंवदा सिंह को मिला।

शिक्षक संघ चुनाव:–

12 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव चुनाव अधिकारी डॉ0 शिवकुमार वर्नवाल द्वारा किया गया। अध्यक्ष पद पर श्री सुभाष कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष पद पर डॉ0 आरती सिंह, महामंत्री पद पर श्री विनय कुमार सिंह तथा कोषाध्यक्ष पद पर डॉ0 अभिषेक सिंह चुने गये। शिक्षक संघ कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में वाणिज्य संकाय से श्री नन्दन शर्मा तथा बी.एड. संकाय से डॉ0 मृत्युंजय कुमार सिंह का निर्वाचन हुआ।

यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस:–

13 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन प्रार्थना सभा में किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा विचार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ0 आरती सिंह द्वारा किया गया।

हिन्दी दिवस तथा छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह सम्मान :–

14 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित साहित्यकार, समालोचक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य एवं उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो0 सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ0 आरती सिंह द्वारा किया गया।

सर मोक्षगुडंम विश्वश्वरैया जंयती :–

15 सितम्बर 2017 को सर मोक्षगुंडम विश्वश्वरैया जंयती जिसे इंजीनियर डे के रूप में मनाया जाता है का आयोजन महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस –

16 सितम्बर 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवंत रॉय तथा वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा 'ओजोन संरक्षण' पर विचार व्यक्त किया गया।

वनस्पति विभाग में विशिष्ट व्याख्यानः –

16 सितम्बर 2017 को वनस्पति विभाग द्वारा '' जैव विविधता एवं संरक्षण'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 विजय कुमार चौधरी प्रभारी भूगोल विभाग द्वारा विचार व्यक्त किया गया। व्याख्यान की प्रस्ताविकी वनस्पति विभाग के प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन वनस्पति विभाग की प्रवक्ता सुश्री आम्रपाली वर्मा द्वारा किया गया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीः

16 सितम्बर 2017 दिन शनिवार को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर में '' भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत'' एवं '' प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति तथा हतिहास विभाग'' के संयुक्त तत्वाधान में '' भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रमों में विसंगतियाँ एवं समाधान'' विषय पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय जी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत के अध्यक्ष प्रो0 महेश कुमार शारण जी ने की। अतिथियों का स्वागत एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार राव ने किया। इस संगोष्ठी में 3 समानान्तर तकनीकि सत्र सम्पन्न हुए जो क्रमशः प्राचीन, मध्यकालानीय एवं आधुनिक इतिहास से सम्बन्धित थे। इन तीन समानान्तर सत्रों में क्रमशः प्रो. विपुला दूबे, डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय एवं प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी जी मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। तीनो तकनीकी सत्रों में कुल मिलावट 28 शोध पत्र पढ़े गए। अपराहन्

4:30 पर समापन सत्र आयोजित हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. विपुला दूबे जी ने की। संगोष्ठी में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर के प्रो. विपुला दूबे, प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य, प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, प्रो. विनोद सिंह, प्रो. निधि चतुर्वेदी, डॉ. सुधाकर लाल, प्रो. एस. के दीक्षित, डॉ. मनोज तिवारी, डॉ. कन्हैया सिंह सहित अन्य महाविद्यालयो के 50 से अधिक प्राध्यापक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

कर्मचारी संघ चुनाव–

18 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में कर्मचारी संघ चुनाव का आयोजन कर्मचारी चुनाव अधिकारी डॉ0 विजय कुमार चौधरी जी द्वारा किया गया। अध्यक्ष पद पर श्री अमित कुमार एवं उपाध्यक्ष पद पर श्री शम्भू प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर श्री झब्बर शर्मा तथा मंत्री पद पर श्री संतोष श्रीवास्तव निर्वाचित किये गये।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यानः

19 सितम्बर 2017 को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ में प्रार्थना सभा के उपरान्त योगिराज बाबा गम्भीरनाथ की स्मृति में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए गया विश्वविद्यालय गया, बिहार के अवकाश प्राप्त आचार्य प्रो. महेश कुमार शरण जी नें बाबा गम्भीरनाथ जी के जीवन, उनके योग साधना एवं उनकी सिद्ध योग शक्तियों के विषय मे अपने विचार प्रस्तुत किया। प्रो. महेश कुमार शरण जी ने कहा कि योगिराज बाबा गम्भीरनाथ जी का सम्पूर्ण जीवन मात्र के कल्याणार्थ समर्पित था। वे तत्कालीन भारतवर्ष में हिमालय की तलहटी से लेकर सागर पर्यन्त एकमात्र ऐसे सिद्ध पुरुष थे जिनके पास सृजन और प्रलय दोनो की शक्ति थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि बाबा गम्भीरनाथ जी को हठयोग, राजयोग एवं लययोग में सिद्धि प्राप्त थी। तत्कालीन समय में ऐसे सिद्ध पुरुष का दर्शन अत्यन्त दुर्लभ है। उनकी पावन स्मृति में आयोजित यह व्याख्यान निःसंदेह भारतीय युवाओं में विषय ज्ञान की अभिवृद्धि के साथ–साथ उनके अन्दर योग एवं आध्यात्म की ज्योति को जलाए रखने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध मिश्र ने किया।

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान–

22 सितम्बर 2017 को अंग्रेजी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय ढाढ़ा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 राजेश श्रीवास्तव जी द्वारा ''रोड मेप फॉर स्टडी ऑफ लिटरेचर एट ग्रेजुएशन लेवल'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी. एस–सी. द्वितीय वर्ष के छात्र द्विव्यम श्रीवास्तव तथा आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान जी द्वारा किया गया।

योग कार्यशाला–

22 सितम्बर 2017 को बी. एड. विभाग द्वारा दो दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय योग कार्यशाला में भारतीय रेलवे के योग प्रशिक्षक डॉ0 जयंतनाथ जी द्वारा विद्याथियों को योग का प्रशिक्षण दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापनादिवस :–

23 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 यशवन्त कुमार रॉव जी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के लक्ष्य पर विचार प्रस्तुत किया गया। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान के प्रभारी डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल द्वारा विचार प्रस्तुत किया गया।

प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यानः –

25 सितम्बर 2017 को प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा ''धार्मिक वनस्पतियों का औषधीय महत्व'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव जी द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह जी द्वारा किया गया।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती –

25 सितम्बर 2017 को महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की स्वर्ण जंयती के अवसर पर ''राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वनस्पति विज्ञान के संयुक्त तत्वाधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देवेन्द्र पाण्डेय (बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष) द्वितीय स्थान सुजीत कुमार (बी. एस–सी. प्रथम वर्ष) व तृतीय स्थान मनीषा श्रीवास्तव (बी. कॉम तृतीय वर्ष) तथा सांत्वना पुरस्कार सुधा सागर, माधुरी उपाध्याय (बी.एस. –सी. प्रथम वर्ष) को प्राप्त हुआ। परिणाम की घोषणा निर्णायक मण्डल क्रमशः सुश्री दीप्ति गुप्ता,डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव व सुश्री आम्रपाली वर्मा द्वारा किया गया।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यानः –

26 सितम्बर 2017 को वाणिज्य विभाग द्वारा ''नेतृत्व क्षमता'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। ''नेतृत्व क्षमता'' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के आयार्य प्रो0 आर. पी. सिंह द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ला जी द्वारा किया गया।

राजा राम मोहन राय जी की पुण्य तिथि–

27 सितम्बर 2017 को राजा राम मोहन राय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में प्राचीन इतिहास के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र जी ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यानः–

27 सितम्बर 2017 को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'ड्रग्स डेवलपमेंट एण्ड डिलीवरी' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गॉधी पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 आलोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राम सहाय द्वारा, अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल तथा आभार ज्ञापन प्रवक्ता प्रदीप कुमार वर्मा द्वारा किया गया।